समर्पण व अनुशासन ही सफलता की कुंजी

अनुभा सिन्हा. एक जाना-पहचाना नाम. आईलीड्स ऑक्जलरी सर्विसेस प्रा. लि. की को-फाउंडर और कॉर्पोरेट लीडर. उनकी मेहनत व लगन के बदौलत ही आईलीड्स ऑक्जलरी सर्विसेस प्रा. लि. दून में अपनी खास पहचान बना चुका है. यही नहीं आईलीड्स के नाम गुणवत्ता उत्कृष्टता के तहत भारत 500 स्टार्टअप पुरस्कार भी प्राप्त कर चुका है.....

कंपनी के तौर पर शुरुआत

आईलीड्स की बुलंदियों के पीछे को-फाउंडर अनुभा सिन्हा के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है. अनुभा सिन्हा मानव संशाधन व कार्यालय प्रशासन में अनुभवी होने के साथ ही एक स्व-प्रेरित शख्सियत हैं. उनकी मेहनत व लगन के बदौलत ही देहरादून स्थित आईलीड्स आईटीईएस कंपनी है, जो बीपीओ, केपीओ और आरपीओ में उत्कृष्ट कार्य कर रही है. प्रा. लि. कंपनी को वर्ष 2019 मं गुणवत्ता उत्कृष्टता के लिए भारत 500 स्टार्टअप पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा चुका है. आईलीड्स की शुरुआत वर्ष 2010 में एक प्रोपराइटरशिप कंपनी के तौर पर हुई थी. मार्च 2018 में आईलीड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में तब्दील हुई. बेहतर सेवा के साथ ग्राहकों को खुश करने के लिए प्रतिबद्ध कंपनी में करीब दो हजार कार्मिकों की टीम है. समर्पण व अनुशासन सफलता की कुंजी फॉर्मूले के साथ आगे बढने वाली कंपनी के बारे में को-फाउंडर अनुभा सिन्हा बताती हैं कि काम के प्रति तत्परता समर्पण को दर्शाती है. कहती हैं कि मेरा व्यवसाय दर्शन ग्राहक के इर्द-गिर्द घूमता है.

मानव संसाधन ही सबसे बड़ी विशेषता

अनुभा सिन्हा का मानना है कि कार्यबल व मानव संशाधन कर्मचारियों की भर्ती हमारी विशेषता है. वर्तमान में उनके पास दो हजार से ज्यादा मानव संशाधन के साथ प्रीमियम बुनियादी ढांचा है. उनका कहना है कि उन्होंने प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस)कार्मिक प्रबंधन व ऑन बोर्डिंग में विशेषता का प्रदर्शन किया है. उनके पास विपणन, मर्चेंडाइजिंग, उत्पाद विकास व विपणन रणनीति अन्य प्रमुख कौशल हैं. इसके अलावा व्यवसाय विकास व्यापार शो लीड जनरेशन, मार्केट रिसर्च सोशल मीडिया मार्केटिंग और एसईओ में व्यवसायिक कौशल भी है. वहीं कर्मचारी जुड़ाव टीम मैनेजमेंट बातचीत, सोर्सिंग व सार्वजनिक बोलना भी उनके पास एक्स्ट्रा कौशल है.

डिग्री और पुरस्कार

- ❒एमिटी स्कूल आफ डिस्टेंस लर्निंग से एमबीए
- ❒चंढ़ीगढ़ पंजाब यूनिवर्सिटी से साइंस में ग्रेजुएशन
- ❒एमईएमईसीसीआई ग्लोबल कॉन्फ्रेंस एक्जिबिट एंड अवॉर्ड्स विज्ञान भवन नई दिल्ली.
- ❒इंडिया 5000 वीमेन अचीवर अवॉर्ड्स 2020 की विजेता.
- ❒नेशनल अचीवर रिकग्रिशन फोरम में व्यक्तिगत उपलब्धि बौद्धिक उत्कृष्टता व राष्ट्रीय विजेता

आईलीड्स के ये प्रोजेक्ट्स प्रगति पर

- ❒टेली कॉलिंग
- ❒टेली रिक्रूटमेंट
- ❒टेली सर्वे
- ❒डेटा एंट्री
- ❒क्लाइंट ऑनबोर्डिंग
- ❒डेटा डिजिटाइजेशन

ये हैं पसंद

- ❒खाना पकाना जुनून
- ❒मैक्सिकन, इतावली, थाई व भारतीय व्यंजनों में हाथ आजमाना भी पसंद
- ❒यात्रा करना
- ❒नई जगह का पता लगाना.
- ❒परिवार के साथ समय बिताना

कुत्तों के परिवार का लालन-पोषण

अनुभा सिन्हा कहती हैं कि उन्होंने 15 साल की उम्र में आवारा कुत्तों के एक परिवार का लान-पोषण किया. गांधी के विचार एक राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अंदाजा उनके जानवरों के साथ होने वाले तरीके से लगाया जा सकता है. कहती हैं जीवन वो है जो हम इसे बनाते हैं.

कोविड-19 का खास अनुभव रहा

अनुभा सिन्हा कहती है कि उनके जीवन में कोविड-19 का खास अनुभव रहा है. लोगों की करीब से पीड़ा समझी. उनके पूरे परिवार ने अनाथालयों तक दस्तक दी. मदद के हाथ आगे बढ़ाए. दून में ही उन्होंने स्ट्रीट किड्स नाम से चैरिटी की शुरुआत की. जिसके जरिए उन्होंने बेघर व भूखे बच्चों के लिए खाने की मदद को कदम बढ़ाए.

महिला सशक्तिकरण के लिए शुभ संकेत

महिलाओं ने सभी बाधाओं के खिलाफ कॉर्पोरेट जगत में महिलाएं आगे बढ़ चुकी हैं. यह सशक्तिकरण शुभ संकेत है. यह क्रांति एक कॉर्पोरेट इकाई की सफलता सुनिश्चित करने मे एक लिंग-संतुलित नेतृत्व टीम का नेतृत्व करेगी. यह परिवर्तन कॉर्पोरेट सीढ़ी पर महिलाओं व पुरुषों के बीच प्रतिनिधित्व की खाई का पाट देगा.